



नीति आयोग

संसाधन दक्षता (आरई) कार्यनीति पर नीति आयोग की बैठक

Posted On: 21 JUL 2017 7:10PM by PIB Delhi

संसाधन दक्षता सतत विकास का एक प्रमुख तत्व है। यह सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) 12 में परिलक्षित होता है जिनका लक्ष्य उपभोग एवं उत्पादन पैटर्न की निरंतरता सुनिश्चित करना है। आठ अन्य एसडीजी लक्ष्यों (2,6,7,8,9,11,14 और 15) पर भी संसाधन दक्षता का प्रभाव है।

विश्व निरंतर उपभोग एवं उत्पाद पैटर्न स्थापित करने के क्रम में संसाधन दक्षता हासिल करने के लिए वचनबद्ध है। यह भारत सरकार के लिए भी एक प्राथमिकता है और इसकी झलक विभिन्न नीतियों/कार्यक्रमों, जैसे मेक इन इंडिया, जीरो इफेक्ट-जीरो डिफेक्ट स्कीम, स्मार्ट सिटी, स्वच्छ भारत और गंगा कायाकल्प मिशन की घोषणा में मिलती है।

नीति आयोग ने डॉयचे गेसेलशाफ्ट फर इंटरनैशनले ज्यूसम्मेनबीट (जीआईजेड) जीएमबीएच के साथ मिलकर संसाधन दक्षता पर एक कार्यनीति पत्र तैयार किया था। आम लोगों की टिप्पणी के लिए उस पत्र को नीति आयोग की वेबसाइट पर डाल दिया गया था।

नीति आयोग के प्रधान सलाहकार श्री रतन पी. वाटल की अध्यक्षता में आज नीति आयोग की बैठक हुई। इसमें कार्यनीति पत्र और प्राप्त टिप्पणियों पर भारत सरकार के विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों, ऊर्जा एवं संसाधन संस्थानों, इंडियन रिसोर्स पैनल के सदस्यों, जर्मनी के दूतावास के प्रतिनिधियों और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों सहित सभी हितधारकों के साथ चर्चा की गई। फिक्की और सीआईआई जैसे उद्योग संगठनों ने भी इस विचार-विमर्श में भाग लिया।

सभी हितधारकों ने नीति आयोग की इस पहल का स्वागत किया और इस बात पर सहमति बनी कि अंतिम रूप दिए जाने पर यह कार्यनीति पत्र देश में संसाधन दक्षता से संबंधित भविष्य की कार्रवाई का आधार बन सकता है।

एकेटी/एके/बीएम/एसकेसी

(Release ID: 1496821) Visitor Counter : 27

